RAJASTHAN HIGH COURT
सत्यमेव जयते

HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Civil Writ Petition No. 7941/2026

Ganpat Son Of Chiranji, Aged About 74 Years, Resident Of Village Bansur, At Present District Kotputli Behror.

----Petitioner

Versus

1. Vishambar Son Of Gulji, Resident Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
2. Latur Son Of Gulji, Resident Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
3. Surajbhan Son Of Gulji, Resident Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
4. Ratan Son Of Gulji, Resident Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
5. Hanuman Son Of Gulji, Since Deceased Through His Legal Heirs
6. Ramniwas Son Of Gulji, Resident Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
7. Roopchand Son Of Bheruram, Resident Of Badh Dheguwas Tehsil Bansur District Kotputli Behror.
8. Jadavali Widow Of Hanuman, Resident Of Badh Dheguwas Tehsil Bansur District Kotputli Behror.
9. Prahlad Son Of Hanuman, Resident Of Badh Dheguwas Tehsil Bansur District Kotputli Behror.
10. Prakash Son Of Hanuman, Resident Of Badh Dheguwas Tehsil Bansur District Kotputli Behror.
11. Chiranji Son Of Hanuman, Resident Of Badh Dheguwas Tehsil Bansur District Kotputli Behror.
12. Pooran Son Of Chiranji, Since Deceased Through His Legal Representatives
13. Janki Wife Of Mohan, Resident Of Bansur District Kotputli Behror.
14. Hariram Son Of Budha, Resident Of Hisla, Tehsil Thanagazi District Alwar.
15. Shyamlal Son Of Mohan, Resident Of Village Bansur

RAJASTHAN HIGH COURT सत्यमेव जयते

District Kotputli Behror.

16. Amichand Son Of Sohan, Resident Of Village Bansur District Kotputli Behror.
17. Yogesh Son Of Mohan, Resident Of Village Bansur District Kotputli Behror.
18. Geetadevi Wife Of Jagdish Daughter In Law Of Mohan, Resident Of Village Bansur District Kotputli Behror.
19. Tehsildar Ji Bansur, In The Capacity Of Landholder And Sub Registrar, Bansur District At Present Kotputli Behror.
20. Rajbala, Daughter Of Hanuman
21. Meva, Wife Of Hanuman
22. Sushil, Son Of Hanuman
23. Deshraj, Son Of Hanuman
24. Gautam Son Of Hanuman, All Residents Of Badh Dheguwas Tan, Bansur District At Present Kotputli Behror.
25. Yogesh Meena, Son Of Pooranchand
26. Kamlesh, Daughter Of Pooranchand
27. Laxmidevi, Daughter Of Pooranchand
28. Manbhari Wife Of Pooranchand, All Residents Of Bansur Tehsil Bansur District Kotputli Behror.

----Respondents

For Petitioner(s) : Mr. Jai Raj Tantia
For Respondent(s) :

HON'BLE MR. JUSTICE VINOD KUMAR BHARWANI

<u>Order</u>

<u>21/05/2026</u>

याची द्वारा यह दीवानी रिट याचिका भारतीय संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत, विचारण न्यायालय–राजस्व मण्डल राजस्थान, अजमेर द्वारा निगरानी टी0ए0 संख्या–11432/2025, जिला कोटपूतली–बहरोड़, उनवानी प्रकरण विशम्बर एवं अन्य बनाम गणपत व अन्य में पारित आदेश दिनांक 16.12.2025

में राजस्व मण्डल द्वारा न्यायालय भू प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी अलवर द्वारा पारित आदेश दिनांक 04.11.2025 को अपास्त करते हुए प्रकरण उपखण्ड प्राधिकारी बानूसर को प्रतिप्रेषित कर आदेश 39 नियम 3–ए जाब्ता दीवानी के प्रावधानों के मद्देनजर प्रकरण में उभय पक्ष को सुनकर गुणावगुण पर प्रार्थना पत्र अंतर्गत 212 राज0 काश्तकारी अधिनियम का निस्तारण एक माह में करने बाबत निर्देशित किया गया था।

सुना गया।

योग्य अधिवक्ता याची का निवेदन है कि राजस्व मण्डल, अजमेर द्वारा आदेश दिनांक 16.12.2025 के द्वारा उपखण्ड अधिकारी बानसूर को उनके यहां लंबित प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 राज0 काश्तकारी अधिनियम का निस्तारण **एक माह** में किए जाने बाबत् निर्देशित किया गया था, परन्तु उनके द्वारा आज दिनांक तक राजस्व मण्डल द्वारा पारित आदेश की अनुपालना में उक्त प्रार्थना पत्र का निस्तारण नहीं किया गया है।

योग्य अधिवक्ता याची द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया, राजस्व मण्डल, अजमेर द्वारा पारित उक्त आदेश दिनांक 16.12.2025 अन्य संबंधित आदेश एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। राजस्व मण्डल द्वारा उक्त आदेश में उपखण्ड अधिकारी बानसूर को उनके यहां लंबित प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 राज0 काश्तकारी अधिनियम का निस्तारण एक माह में करने हेतु निर्देशित किया गया था, जो आदेश दिनांक 16.12.2025 को निस्तारित हुआ है, जिसे लगभग छह माह हो चुके हैं। याची की ओर से उपरोक्त लंबित प्रार्थना पत्र से संबंधित आदेशिकाएं भी प्रस्तुत की गई हैं। अतः योग्य अधिवक्ता याची द्वारा दिए गए उक्त तर्कों, प्रकरण के तथ्यों एवं समस्त परिस्थितियों को देखते हुए याची की ओर से प्रस्तुत यह रिट याचिका स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

परिणामतः याची की ओर से प्रस्तुत यह रिट याचिका स्वीकार की जाकर विचारण न्यायालय–उपखण्ड अधिकारी बानूसर को निर्देशित किया जाता है कि वे उनके समक्ष लंबित राजस्व वाद, उनवानी प्रकरण विशम्बर बनाम रूपचन्द में

लंबित प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 राज0 काश्तकारी अधिनियम का निस्तारण आदेश प्राप्ति की दिनांक से एक माह में करने का प्रयास करें।

उक्त रिट याचिका इसी अनुसार निस्तारित की जाती है।

(VINOD KUMAR BHARWANI),J

MAHESH ADWANI/17